Nayak's Tutorials Practice Paper -3

हिंदी - ब

Subject Code - 085

May to Excellence अधिकतम अंक : 8c

निर्धारित समय : ३ घंटे

सामान्य निर्देशः

Set Code:

Year: 2024-2025

वर्ग : 90 वी (C.B.S.E)

• इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं – क, ख, ग और घ

/1/2

- खंड क में अपिठत गढ्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पुछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।
- प्रश्न पत्र में कूल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव कभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खंड 'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(7)

आधुनिक युग में योग का महत्त्व बढ़ गया है। इसके बढ़ने का कारण व्यस्तता और मन की व्यग्रता है। यदि मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ है, तो वह संसार में रहकर जीवन का सुख भोग सकता है और अपने सभी कर्त्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूर्ण कर सकता है। शरीर ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने सभी कार्यों को संपन्न कर सकते हैं, इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है और इसके लिए हम योग का सहारा ले सकते हैं।योग प्राचीन समय से ही भारतीय संस्कृति का अंग रहा है। हमारे पूर्वजों ने बहुत समय पहले ही इसका आविष्कार कर इसके महत्त्व को पहचान लिया था, इसलिए योग पद्धित सिद्यों बाद भी जीवित है।

योग करने से व्यक्ति का शरीर सुगठित और सुडौल बनता है। योग से न केवल तन की थकान दूर होती है, बल्कि मन की थकान भी दूर हो जाती है। योग करने वाला व्यक्ति अपने अंग-प्रत्यंग में एक नए उत्साह एवं स्फ़ूर्ति का अनुभव करता है। योग करने से शरीर के प्रत्येक अंग में रक्त का संचार सुचारु रूप से होता है तथा शरीर रोगमुक्त रहता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?

(1)

(1)

- (i) मनुष्य की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ
- (ii) प्राचीन भारतीय सभ्यता और योग
- (iii) आधुनिक युग में योग का महत्त्व
- (iv) हमारा खानपान और शारीरिक व्यायाम
- (ख) योग करने से मनुष्य को क्या लाभ होता है ?
- (ii) नए उत्साह व स्फूर्ति का संचार होता है।
- (i) शरीर रोगमुक्त रहता है। (iii) मन की थकान दुर होती है
- (iv) ये सभी
- (ग) कथन (A) आधुनिक युग में योग का महत्त्व स्वीकार किया जाने लगा है।

(1)

- कारण (R) आधुनिक युग में व्यस्तता और मन की व्याकुलता बढ़ने लगी है।
- कूट (i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
 - (ii) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
 - (iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।
 - (iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
- (घ) 'योग प्राचीनकाल से भारतीय संस्कृति का अंग रहा है' प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(1)

(ङ) प्रस्तृत गद्यांश से हमें क्या संदेश मिलता है?

(1)

2. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्ना के उत्तर दीजिए।

(7)

शिक्षा हम सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक बहुत ही आवश्यक साधन है। यदि हम समाज में सामाजिक परिवर्तन लाना चाहते हैं, तो शिक्षा उसका एक आवश्यक स्रोत है, क्योंकि इसके बिना किसी भी स्तर पर कोई सामाजिक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। सामाजिक क्षेत्रों में बहुत-से सुधार करने का प्रयत्न किया गया, परंतु लोगों में शिक्षा की कमी देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप व्यावहारिक रूप में सुधार प्रभावहीन रह जाते हैं। हमने बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के लिए बहुत-से कानून बनाए, परंतु विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित अशिक्षा ने इन सुधारात्मक कानूनी उपायों को लगभग नकार दिया है, इसलिए शिक्षा के द्वारा इन बुराइयों को मिटाने का प्रयत्न करना चाहिए, जिससे सामाजिक परिवर्तन को तीव्रता प्रदान की जा सके। देश में पिछड़ी तथा अनुसूचित जातियों का उत्थान, राष्ट्रीय तथा भावात्मक एकता, भाषा सुधार तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया आदि सभी का चलन बहुत धीमा है, इसलिए शिक्षा के द्वारा इनकी सफलता के लिए उचित उपाय प्रदान करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

परिवर्तन लाने का सबसे प्रभावी तरीका शिक्षा है। इसके द्वारा लोगों के दृष्टिकोण, व्यवहार रीतियों, जीवन नीतियों तथा मूल्यों में परिवर्तन लाने और उनमें प्रगति करने के लिए इच्छा जागृत की जा सकती है। शिक्षा आधुनिक ज्ञान में वृद्धि करने में भी सहायक हो सकती है।

(क) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गद्यांश में दिए गए 'उत्थान' शब्द के सही अर्थ को दर्शाता है?

(1)

- (i) अभ्युदय
- (ii) अवनति
- (iii) अपक्षय
- (iv) अवनयन

(평)	ंइसके द्वारा लोगों के दृष्टिकोण, व्यवहार रीतियों, जीवन नीतियों तथा मूल्यों में परिवर्तन लाने और उनमें प्रगति करने के लिए	ए इच्छा जागृत की
	जा सकती है।` पंक्ति के माध्यम से लेखक लोगों को प्रेरणा दे रहे हैं।	(1)
	(i) झूठ नहीं बोलने की (ii) आडंबरों का त्याग करने की	
	(iii) बाल विवाह जैसी बुराइयों को समाप्त करने की (iv) शिक्षित करने की	
(ग)	कथन सामाजिक बुराइयाँ अशिक्षा के कारण बनी रहती हैं।	(1)
	निष्कष शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बुराइयों को समाप्त किया जा सकता है।	
	(i) कथन सही है, लेकिन निष्कर्ष गलत है। (ii) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।	
	(iii) कथन गलत है, लेकिन निष्कर्ष सही है। (iv) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।	
(ঘ)	गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसका चलन बहुत धीमा है?	(1)
(ভ)	उपर्युक्त गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है?	(1)
	खंड 'ख'	
	(व्यावहारिक व्याकरण)	
3. निर्देश	गानुसार पदबंध पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	$(1 \times 4 = 4)$
(क)	'बाहर से आए मनुष्यों में कछ शरारती तत्त्व भी हैं।' रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।	(1)
(碅)	'तताँरा को मानो कुछ होश आया।' वाक्य में क्रिया पदबंध को बताइए।	(1)
(ग)	'बड़ी देर से अपने को सँभालकर निखिल बोला।' वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।	(1)
(ঘ)	'वृजलाल गोयनका वंदे मातरम् <u>बोलते हु</u> ए मोनुमेंट की ओर भागे।' रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।	(1)
(퍟)	निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा पदबं <mark>ध को छाँ</mark> टिए	
	बड़े भाई साहब लेखक की निडरता को भाप चुके थे।	(1)
4. निर्देश	गानुसार वाक्य रूपांतरण पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	(1×4= 4)
(क)	'वे जंगल में प्रवेश कर गए और अँधेरा बढ़ने लगा।' प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।	(1)
(碅)	'भाई साहब के फेल व मेरे पास होने पर मैं दरजे में प्रथम आया।' प्रस्तुत वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।	(1)
(ग)	'उसे अपनी बहादुरी पर और शक्ति पर भी पूरा भरोसा था।' प्रस्तुत वाक्य को संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।	(1)
(ঘ)	'बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन लाकर तौलिए से साफ़ किए।' इस वाक्य को मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।	(1)
(퍟)	'म्वालियर में हमारा एक मकान था और उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे।' प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित	न कीजिए। (1)
5. निर्देश	गानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	$(1 \times 4 = 4)$
(क)	'निशाचर' शब्द में कौन–सा समास है?	(1)
(碅)	'जलधारा' शब्द का समास-विग्रह और समास बताइए ।	(1)
(ŋ)	'चरणकमल' समस्तपद का विग्रह क्या होगा?	(1)
(घ)	'नौ रत्नों का समूह' समास विग्रह का समस्तपद क्या होगा?	(1)
(퍟)	गानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 'निशाचर' शब्द में कौन–सा समास है? 'जलधारा' शब्द का समास–विग्रह और समास बताइए। 'चरणकमल' समस्तपद का विग्रह क्या होगा? 'नौ रत्नों का समूह' समास विग्रह का समस्तपद क्या होगा? 'वीणापाणि' में कौन–सा समास प्रयुक्त है? गानुसार मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 'भारितयों ने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजों के दाँत खट्ट कर दिए।' पंक्ति में से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 'साहसपूण मुकाबला करना' अथ के लिए उपयुक्त मुहावरा ह 'विष घोलना' मुहावरे का क्या अथ ह? सही मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य को पूरा कीजिए	(1)
6. निर्देश	गानुसार मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	$(1 \times 4 = 4)$
(क)	'भारतियों ने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजों के दाँत खट्ट कर दिए।' पंक्ति में से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।	(1)
(ख)	'साहसपूण मुकाबला करना' अथ के लिए उपयुक्त मुहावरा ह	(1)
(ग)	'विष घोलना' मुहावरे का क्या अथ ह?	(1)
(घ)	सही मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य को पूरा कीजिए	(1)
	मनु की तो मानी गइ थो, जो उसने अपने गुरुजी के के कहे को नहीं माना।	
(퍟)	बिना सोचे विचारे दूसरों की बातों पर विश्वास करने वाला व्यक्ति अच्छा राजा या कुशल प्रशासक नहीं हो सकता ह।	
	प्रस्तुत रेखांकित अंश के लिए उपयुक्त मुहावरा बताइए।	(1)
	खंड 'ग'	
_	(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)	
	लिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।	(1x5=5)
कुछ सम	य बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युव	को की शक्ति परीक्ष

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए।

तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में बिलकुल भी नहीं था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूट-फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्त्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को साथ देखकर आग बबूला हो उठी।

	(क)	लेखक के अनुसार, तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में बिलकुल भी नहीं था, क्योंकि	(1)
	(•)	(i) वामीरो की माँ आग-बबूला हो गई थी।	(-)
		(iii) वामीरो उस पर गुस्सा हो गई थी। (iv) उसे इस तरह के कार्यक्रमों में कोई रुचि नहीं थी।	
	(ख)	'वामीरो के रुदन स्वर को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची।' कथन के माध्यम से ज्ञात होता है कि वामीरो की माँ है	(1)
	()	(i) मैत्रीभाव से परिपूर्ण (ii) मातृत्व भाव से परिपूर्ण	(1)
		(iii) समन्वय से परिपूर्ण (iv) आदर्शवाद से परिपूर्ण	
	(ग)	गद्यांश के आधार पर वामीरो के चरित्र की कुछ विशेषताएँ मिलती हैं कि वह थी	(1)
	(1)	(i) दृढ़ इच्छाशक्ति, भावुक, प्रकृति-प्रेमी (ii) निश्छल प्रेमिका, भावुक, सरल स्वभाव	(1)
		(ii) पशु-प्रेमी, बेहद गंभीर, डरपोक (iv) संकीर्ण हृदय, उदार, कृपण	
	(घ)	'तताँरा को देखते ही वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।' वामीरो का इस तरह रोना दर्शाता है, तताँरा के प्रति उसका	(1)
	(ঘ)		(1)
	()		(1)
	(퍟)	कथन (A) वामीरो की माँ आग-बबूला हो गई।	(1)
		कारण (R) वामीरो की माँ ने वामीरो और तताँरा को साथ देख लिया था।	
		(i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।	
		(ii) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।	
		(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) को गलत व्याख्या करता है ।	
		$({ m iv})$ कथन $({ m A})$ और कारण $({ m R})$ दोनों सही हैं तथा कारण $({ m R}),$ कथन $({ m A})$ की सही व्याख्या करता है ।	
8	निर्म्त	लिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। (2 x 3	= 6)
0.		्ट्र X उर्धा न राज्यका तार प्रस्ता पर उत्तर राज्यम 25 - 50 राज्या न प्राचरा हम सभी का कोई न कोई अच्छा व सच्चा मित्र होता है तथा हमें निःस्वार्थ भाव से मित्र की सहायता व मित्रता का पालन करना चाहिए।	- 0)
	(41)	'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर बताइए कि राज कपूर ने अपने मित्र शैलेंद्र की फिल्म निर्माण में किस प्रकार	
		तांसरा करान के शिल्पकार शलिप्र, पाठ के आधार पर बताइए कि राज कपूर में अपने नित्र शलिप्र की किल्म निर्माण में किस सहायता की?	(2)
	(ਜ਼)	त्तरावता का ! वर्तमान समय में प्राणी–मात्र से प्रेम करने वाले व्यक्ति अत्यंत सीमित हो गए हैं। मनुष्य को पशु–पक्षियों से तो दूर मनुष्यों से भी प्रेम नहीं	(2)
	(u)	रह गया है, परंतु सुलेमान सहृदय बादशाह थे। 'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के आधार पर सुलेमान के व्यक्तित्व की	
		रह गया है, परंतु सुलमान सहदय बादशाह या। अब कहा दूसर के दुःख स दुःखा हान वाल। पाठ के आयार पर सुलमान के व्याक्तत्व का विशेषता लिखिए।	(2)
	()	·	(2)
	(ग)	वजीर अली के जीवन का एक ही लक्ष्य था- अंग्रेज़ों को देश से बाहर निकालना। इस दिशा में वजीर अली द्वारा किए गए प्रयासों को	(2)
		अपने शब्दों में लिखिए।	
	/—\		(- \
	(ঘ)	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था?	(2)
9.	(घ) निर्म्ना	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (1×5 =	(2) = 5)
9.	(घ) निम्न ि	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (1×5 = 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,	(2) = 5)
9.	(घ) निम्न	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (1×5 = 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभु पिता प्रसिद्ध एक है।	(2) = 5)
9.	(घ) निर्म्ना	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (1×5 = 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं.	(2) = 5)
9.	(घ) निम्न ि	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है।	(2) = 5)
9.	(घ) निर्म्ना	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे.	(2) = 5)
9.	(घ) निर्मा	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।	(2) = 5)
9.	(घ) निर्मा (क)	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढिए	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्म्ना (क)	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनष्य वही है, जो अन्य मनष्यों के लिए जीता व मरता है।	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्मा (क)	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खशी से चली।	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्मा (क)	तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था? लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए. उसे वैसा ही जन्म मिला।	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्म्ना (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला।	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है।	(2) = 5) (1)
9.	(घ) निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए	(2) = 5) (1)
9.	निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी—खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4	(1)
9.	निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है?	(2) = 5) (1)
9.	निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण	(1)
9.	निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सिज्जत व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण (iii) एक जैसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण	(1)
9.	निर्मा (क)	लिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु की व्यथा हरे, वहीं मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरें।। निम्निलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिंए 1. सच्चा मनुष्य वहीं है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सिज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण (iii) एक जैसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है।	(1)
9.	निर्मा (क)	े मनुष्य मात्र बंधु है यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरेक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिहए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण (iii) एक जैसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। कारण (R) बन्धुत्व की भावना के बिना मनुष्यता अधूरी है।	(1)
9.	निर्मा (क)	े मनुष्य मात्र बंधु है ' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिढ़ए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। कारण (R) बन्धुत्व की भावना के बिना मनुष्यता अधूरी है। (i) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।	(1)
9.	निर्मा (क)	े मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, बही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिए ए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सिज्जत व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। कारण (R) बन्धुत्व की भावना के बिना मनुष्यता अधूरी है। (i) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।	(1)
9.	निर्मा (क)	े मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, बही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्निलखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (iii) एक जीसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। (ii) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (iii) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (iii) A सही है, किंतु R गलत है।	(1)
9.	निर्मा (क) (ख) (ग)	े 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण (iii) एक जीसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। (ii) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (iii) A सही है, किंतु R गलत है। (iv) A गलत है, किंतु R गलत है।	(1) (1)
9.	निर्मा (क)	े मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कमें के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरेक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।। निम्निलिखत वाक्यों को ध्यानपूर्वक पिहए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से मजित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। कारण (R) बन्धुत्व की भावना के बिना मनुष्यता अधूरी है। (ii) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (iii) A सही है, किंतु R सही है। प्रस्तत पद्यांश के माध्यम से किव ने क्या संदेश दिया है?	(1)
9.	निर्मा (क) (ख) (ग)	े 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए 1. सच्चा मनुष्य वही है, जो अन्य मनुष्यों के लिए जीता व मरता है। 2. किव के अनुसार, जिस मार्ग पर भी चलना हो हँसी-खुशी से चलो। 3. जिसने जैसे कर्म किए, उसे वैसा ही जन्म मिला। 4. सहानुभूति के गुणों से सज्जित व्यक्ति को ही पूजनीय माना जाता है। पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए (i) 1 और 2 (ii) 1, 3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) 2 और 4 प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य मात्र बंधु किस प्रकार है? (i) एक राष्ट्र में जन्म लेने के कारण (ii) एक प्रांत में जन्म लेने के कारण (iii) एक जीसा भोजन करने के कारण (iv) एक परमेश्वर की संतान होने के कारण कथन (A) जो मनुष्य बंधु की व्यथा को नहीं हरता, वह सच्चा मनुष्य नहीं है। (ii) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (iii) A सही है, किंतु R गलत है। (iv) A गलत है, किंतु R गलत है।	(1) (1)

	(퍟)	संसार में सबसे बड़ा अनर्थ क्या है? (i) जब कोई मनुष्य केवल अपने लिए ही जीता है (ii) जब कोई व्यक्ति अपने ही बंधु के दुःखों को दूर नहीं करता	(1)	
		(iii) जब कोई व्यक्ति अपने ही बंधु के दुःख हरता है (iv) जब व्यक्ति दीन-दुखियों की सहायता करता है		
10.		<mark>ालिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में दीजिए।</mark> 'विरुद्धवाद बुद्ध का दया प्रवाह में बहा।' मनुष्यता पाठ की इस पंक्ति के आधार पर बताइए कि महात्मा बुद्ध ने समाज में अपना र	(2 × 3 = 6) स्थान	
		किस प्रकार बनाया?	(2)	
	(ख)	वर्षा ऋतु में पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र क्या ह? 'पर्वत प्रदेश में पावस' पाठ के आधार पर बताइए।	(2)	
	(ŋ)	'जवानी की अवस्था ही वह अवस्था होती है, जिसमें सौंदर्य, प्रेम और जोश चरमोत्कर्ष पर होता है।'		
		पंक्ति के माध्यम से कवि देश के युवाओं को क्या संदेश दे रहा है?	(2)	
	(ঘ)	मीठी वाणी बोलने से क्या प्राप्त होता है ? 'साखी' कविता के आधार पर बताइए।	(2)	
11.			(3x2=6)	
		आम आदमी की धर्म के प्रति अंध श्रद्धा को ठेकेदार किस रूप में भुनाते हैं ? 'हरिहर काका' कहानी में हरिहर काका किस प्रकार शिकार हुए हैं। स्पष्ट कीजिए।	इसका (3)	
	(碅)	' 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर टोपी और इफ़्फ़न की दादी के आत्मीय संबंधों को स्पष्ट कीजिए एवं यह भा बताइए कि इससे उ क्या प्रेरणा मिलती है ?		
	/π\	क्या प्ररणा ामलता ह <i>?</i> स्कूल जाने के प्रति लेखक के मन में निराशा के भाव थे, परंतु धीरे–धीरे स्कूल के प्रति उसका आकर्षण बढ़ने लगा, ऐसा कब सं	(3)	
	(1)	'सपनों के–से दिन' पाठ के आधार पर उत्तर दिजिए।	(3)	
		खंड 'घ'		
	•	(रचनात्मक लेखन)		
12.		लिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।	(5)	
	(क)	बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछताए		
		संकेत बिंदु		
	(碅)	ग्लोबल वार्मिंग (भूमंडलीय तापक्रम)-मानवता के लिए खतरा		
		संकेत बिंदु % ग्लोबल वार्मिंग क्या है? % ग्लोबल वार्मिंग के कारण % ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव % समस्या का समाधान महिलाओं का सशक्तिकरण	OUTSES	
	(ग)	महिलाओं का सशक्तिकरण		
	('/	#####################################		
		* महिला-सशक्तिकरण का प्रभाव * महेला - सशक्तिकरण का प्रभाव और मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सालयों में अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु रा		
13.	डेंगू ३	आर मलारया के बढ़त प्रकाप का देखत हुए चिकित्सालया में अपयोप्त चिकित्सा सुविधाओं का आर ध्यान आकाषत करने हुतु रा	ज्य के	
	स्वास	थ्य मंत्री को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।	(5)	
	दैनिव	अथवा क समाचार-पत्र के संपाद के नाम मिलावटी दूथ की बिक्री के संबंध में लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।		
14.		ालय की वित्तीय योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए विद्यालय की वित्त समिति की एक बैठक आयोजित होनी है। इस संबंध में नाध्यापक की ओर से 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए।	(4)	
	יופג	भाव्यापक का जार से ७० राज्या में एक सूचना त्याखर । अथवा	(4)	
	आज	जयना मिट्रो विशेष रूट पर नहीं चलेगी, इस विषय पर यात्रियों को सूचित करते हुए 60 शब्दों में सूचना लिखिए।		
15.	सूरज्	कुंड हस्तशिल्प मेले के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा	(3)	
	'कोर	अथवा ोना महामारी से बचाव' के संबंध में लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।		
16	आण	विद्यालय की साहित्य परिषद के सचिव हैं । आप अपने विद्यालय में अंतर्विद्यालय युवा कवि-सम्मेलन कराना चाहते हैं। इस आ	योजन के	
10.	लिए	ावधालय का साहित्य परिषद् के साचव है । आप अपने विधालय में अतिवधालय युवा काव–सम्मलन कराना चाहत है। इस आ आपको विद्यालय की ओर से कुछ सुविधाएँ भी चाहिए। उनका उल्लेख करते हुए सम्मेलन के आयोजन की अनुमति प्राप्त करने ानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में एक ई–मेल लिखिए ।		
		अथवा		
	''परि	१श्रम ही सफलता का सोपान है।'' इस विषय पर लघुकथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए।		